A–1007

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

MAED–101

M.A. Education (MAED)

(Philosophical and Sociological Foundation of Education)

(शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार)

1st Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट* :** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

***नोट* :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you understand by Philosophy ? Describe in detail the need and importance of philosophy.

   दर्शन से आप क्या समझते हैं ? दर्शन की आवश्यकता एवं महत्व का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

2. Explain the concepts of Brahma, Maya and Moksha according to Vedanta Philosophy. Describe the contribution of Vedanta philosophy in the present education system.

   वेदान्त दर्शन के अनुसार ब्रह्मा, माया तथा मोक्ष के संप्रत्ययों को स्पष्ट कीजिए। तथा वर्तमान शिक्षा प्रणाली में वेदान्तदर्शन के योगदान का वर्णन कीजिए।

3. Discuss the practical nature of Yoga. Throw light on the need for inclusion of Yoga in the field of education.

योग के व्यावहारिक स्वरूप की चर्चा कीजिए। शिक्षा के क्षेत्र में योग के समावेशन की आवश्यकता प्रकाश डालिए।

4. Explain the objectives of education and the nature of the curriculum according to naturalism.

प्रकृतिवाद के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों और पाठ्यक्रम के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

5. What do you understand by idealism ? Describe in detail the idealistic curriculum and teaching methods.

आदर्शवाद से आप क्या समझते हैं ? आदर्शवादी पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धतियाँ का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

***नोट* :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the areas of philosophy of education.

   शिक्षा दर्शन के क्षेत्रों को स्पष्ट कीजिए।

2. Explain the relationship between Vedas and Upanishads.

   वेद एवं उपनिषद का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

3. Describe the basic principles of Sankhya Philosophy.

   सांख्य दर्शन के मूल सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. Explain the difference between idealism and naturalism.

   आदर्शवाद एवं प्रकृतिवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. Mention pragmatist teaching methods.

   प्रयोजनवादी शिक्षण विधियों का उल्लेख कीजिए।

6. Describe the characteristics of existentialism.

   अस्तित्ववाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. Describe the educational objectives of Bhagavad Gita.

   भगवतगीता के शैक्षिक उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

8. Explain the curriculum according to Gandhiji.

   गाँधी जी के अनुसार पाठ्यक्रम को स्पष्ट कीजिए।

****